>

Title: Regarding situation arising out in Bareilly due to Communal riots.

MADAM SPEAKER: Now Shri Malayam Singhji.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, उत्तर प्रदेश में आज एक गम्भीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। उत्तर प्रदेश के बरेली में दंगा हो रहा है और एक सप्ताह से वहां कर्फ्यू लगा हुआ है। वहां बच्चों एवं आम लोगों के खाने-पीने और शादी-ब्याह में आने-जाने में पूरी तरह से रूकावट हो रही है। जख्मी लोगों का कैसे इलाज हो रहा है, क्योंकि अस्पताल तक किसी को जाने की इजाजत नहीं है। जिन्हें गम्भीर चोटें लगी हैं, वह घरों में हैं, उनका इलाज नहीं हो रहा है। इस सब के लिए वहां का जिला प्रशासन और सरकार जिम्मेदार है। उत्तर प्रदेश में दो सौ करोड़ रूपये खर्च हो रहे हैं, लेकिन उससे रैली हो रही है। जब हम सरकार में थे तो रोज़ाना हमारी सरकार गिराई जाती थी। यह दो सौ करोड़ रूपये कहां खर्च हो रहे हैं? सरकारी पैसा खर्च हो रहा है। बरेली में आग लगी हुई है, वहां दंगा हो रहा है, वहां कफ्यू लगा हुआ है। बरेली शहर के लोग रैली में कैसे पहुंचे, कैसे निकाले गए? बच्चों के लिए दूध का इंतजाम नहीं है। वहां बच्चे पैदा हो रहे हैं, उनके लिए भी किसी को जाने नहीं दे रहे हैं। किसी तरह डाक्टर वहां घरों तक पहुंचे हैं। यह गम्भीर स्थिति है। वहां दंगा हो रहा है और इसके कारण वहां कर्फ्यू लगा हुआ है। हम चाहते हैं कि केन्द्र सरकार वहां हस्तक्षेप करे। इस पर सदन में बयान दे। यह अल्पसंख्यकों का मामला है।

महोदया, मैं यहां पर यह बताना चाहता हूं कि जब भी दंगे हुए हैं मुसलमानों की सम्पति और जान-माल का ज्यादा नुकसान हुआ है।...(व्यवधान) बरेली में स्थिति गम्भीर है। इसलिए हम चाहते हैं कि सरकार सदन में जवाब दे कि दंगे के मामले में क्या रिपोर्ट आई है? वहां खाने-पीने का सरकार ने क्या इंतजाम किया है? हम यह सरकार से जानना चाहते हैं।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे उत्तर प्रदेश के एक संवेदनशील मामले में...(व्यवधान) मैंने सूर्यप्रहर में नोटिस दी हुई है। मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इतने महत्वपूर्ण और संवेदनशील मसले पर बोलने की अनुमति दी है। मैं केवल इस सदन के माध्यम से सरकार और देश का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि 2 तारीख को रबी-उल-अव्वल बारावफात के दिन से लेकर के आज 15 तारीख है, पिछले 13 दिनों से बरेली शहर साप्रदायिकता की आग में पस्त पड़ा हुआ है और बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार रैली में मस्त पड़ी हुई है, जिसका पूरे प्रदेश की जनता को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदया, आज उत्तर प्रदेश की जो स्थिति है, उसके संबंध में, मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि पिछले 14 दिनों से बरेली में कर्फ्यू की स्थिति है, जिसके कारण बीमारी व्यक्ति अस्पताल नहीं पहुंच सकता, शव-यात्रा, श्मशान में नहीं जा सकती, भूखे बच्चे दूध और डबल रोटी के लिए बिलख रहे हैं, लेकिन उन्हें दूध और ब्रैड नहीं मिल रही है। ...(व्यवधान)

महोदया, मैं पहले अपनी बात समाप्त कर दूं, तब फिर कोई और माननीय सदस्य जो बोलना चाहें, वे बोलें, लेकिन मेरी बात पूरी होने दीजिए।

महोदया, डी.आई.जी., डी.एम., एस.एस.पी. और चार-चार, आई.पी.एस. ऑफीसर्स वहां हैलीकॉप्टर से भेजे गए ताकि वहां साप्रदायिक दंगे को रोका जा सके। इसके बावजूद साप्रदायिक दंगा नहीं रुक रहा है और जब साप्रदायिक दंगा नहीं रुक रहा है, तो आज उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति असफल हो गई है। उत्तर प्रदेश में वहां की सरकार कानून के राज्य को स्थापित करने में असफल हो गई है। मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह करना चाहूंगा कि वह वर्तमान परिस्थितियों में जिस तरह से रोज घर जलाए जा रहे हैं, दुकानें जलाई जा रही हैं, बसों व अन्य राष्ट्रीय सम्पतियों की क्षति हो रही है और लोगों पर हमले हो रहे हैं। उन्हें देखकर ऐसा लगता है कि राज्य सरकार लाचार और मजबूर है तथा बरेली शहर केवल उपद्रवियों के हवाले कर दिया गया है। आज इस तरह से बरेली की जो परिस्थितियां निर्मित हुई हैं, उनमें वहां के लोगों की कौन रक्षा करेगा? आखिर रक्षा करना राज्य सरकार का काम है। कानून स्टेट-सब्जैक्ट है, लेकिन अगर राज्य सरकार उसे स्थापित करने में असफल हो रही है, तो वही दायित्व केन्द्र सरकार का बनता है कि वह राज्य सरकार के मामले में हस्तक्षेप करे, ताकि बरेली और बरेली से बाहर जो दंगे हो रहे हैं, वे रुक सकें। अगर समय रहते, उन्हें रोकने की कोशिश नहीं की गई, तो इसका प्रभाव उत्तर प्रदेश के दूसरे जनपदों में भी हो सकता है। आज राज्य सरकार को इस बात की चिन्ता नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। सुनने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : राज्य सरकार को इस बात की चिन्ता नहीं है कि जिस तरीके से साप्रदायिक दंगा या साप्रदायिकता की आग में उत्तर प्रदेश का सबसे खूबसूरत शहर, जो गंगा-जमुनी का शहर था, जो दुनियां के सबसे मशहूर शायर बरेलवी जी हैं वे कल बरेली में फफक-फफक रो रहे थे कि हमारे शहर को क्या हो गया, कोई फिर से गंगा-जमुनी तहजीब को लौटा दे और फिर से बरेली के उस अमन को कायम कर दे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आपकी बात पूरी हो गई। आप समाप्त कीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, यकीनन, जिस तरह की बरेली की हालत है, उसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है और गुनेहगार है और इसके लिए केन्द्र सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है। धन्यवाद। अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शैलेन्द्र कुमार जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह जी, यदि आप इतने ऊंचे स्वर में बोलेंगे, तो अन्य सदस्यगण अपनी बात कैसे कह पाएंगे। बैठ जाइए। बैठ जाइए।

आप भी बैठ जाइए। शरद यादव जी, आपका नोटिस मेरे पास नहीं है, लेकिन फिर भी मैं आपसे निवेदन करती हूं कि आप बोलें, परन्तु बहुत संक्षेप में अपनी बात कह दें। भविष्य में आप नोटिस जरूर भेजें, अन्यथा जिन्होंने नोटिस भेजा है, उनके साथ अन्याय हो जाता है। बहुत संक्षेप में बोलिए।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, मैंने आपको न्यूक्लीयर वाले मामले पर नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदया : श्री शरद यादव जी, मेरे पास आपका नोटिस नहीं है।

श्री शरद यादव : महोदया, श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी ने जो बात कही है, मैं उसका समर्थन करता हूं।

अध्यक्ष महोदया : ठीक है।

श्री शरद यादव : महोदया, बरेली के मामले में मेरा निवेदन है कि बदायूं से मैं दो बार चुनाव जीता हूं। वहां के हालात गम्भीर हैं, मैं उन्हें दोहराना नहीं चाहता हूं, क्योंकि सभी साथियों ने उसके बारे में बात कही है। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, अभी, भी तो वहां से लोक सभा के मैम्बर हमारे ही हैं।

श्री शरद यादव : मगर, मैं वहां से दो बार चुनकर आया हूं।

श्री मुलायम सिंह यादव: हम तो तीन बार वहां से सदस्य रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी ठीक है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग, आपस में क्यों बात कर रहे हैं। ठीक है। आप भी वहां से रहे हैं, आप भी वहां से रहे हैं और वे भी वहां से रही हैं। मगर आप बहुत संक्षेप में बोल दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब, आप बैठ जाइए। जगदम्बिका पाल जी, आप तो बोल चुके हैं। आप बीचे में क्यों उठ रहे हैं। आप बैठ जाइए।

श्री शरद यादव : अध्यक्ष महोदया, वहां राजनीतिक लोगों के जाने पर पूरी तरह से बंदिश है। मुझे ज्यादा नहीं कहना है। मैं भारत सरकार से यही निवेदन करना चाहता हूं कि यह बहुत गम्भीर मामला है और पिछले 10-15 साल में कभी भी 14 दिन तक कर्फ्यू नहीं लगा। इसलिए सरकार को सुओमोटो एक्टिव होकर इस मामले पर आज ही बयान देना चाहिए। यही मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है।